

57	दक्षिणार्हस्तु दक्षिणयो दक्षिणीयो	87
58	यथ दण्डितः ।	87
59	दापितः साधितो	87
60	अर्चस्तु प्रतीक्ष्यः	87
61	पूजितो अर्चितः ॥ ४४६ ॥	87
62	नमस्यितो नमसितापचितावच्चितो अर्चितः ।	88
63	पूजार्हणासपर्यार्चा	18
64	उपहारबलो समौ ॥ ४४७ ॥	88
65	विक्ष्वो विह्वलः	88
66	स्थूलः पीवा पीनश्च पीवरः ।	48
67	चक्षुष्यः सुभगो	68
68	द्वेष्यो अक्षिगतो	38
69	अधंसलो बली ॥ ४४८ ॥	78
70	निर्दिग्धो मांसलश्चोपचितो	88
71	यथ दुर्बलः कृशः ।	68
72	क्षामः क्षीणस्तनुष्कातस्तलिनामांसपेलवाः ॥ ४४९ ॥	02
73	पिचण्डिलो बृहत्कुक्षिस्तुन्दितुन्दिकतुन्दिलाः ।	12
74	उदर्युदरिले	22

57. Der eine Belohnung verdient (3 W.). — 58. 59. Bestraft (3 W.). — 60. Achtbar (2 W.). — 61. 62. Verehrt (7 W.). — 63. Verehrung (4 W.). — 64. Eine den Göttern dargebrachte Gabe (2 W.). — 65. Verwirrt (2 W.). — 66. Fett (4 W.). — 67. Wohlgefällig, lieblich (2 W.). — 68. Widerlich, hässlich (2 W.). — 69. 70. Stark, von kräftigem Körperbau (5 W.). — 71. 72. Mager (9 W.). — 73. 74. Beleibt (7 W.).